SARALA BIRLA PUBLIC SCHOOL

Mahilong, Ranchi

Std - 3

Hindi

पाठ - 15

उधार की हवा

COPY WORK

I शब्दार्थ

1. पड़ाव - कुछ समय के लिए ठहरना
2. मचान - पेड़ पर विश्राम के लिए बनाई गई जगह
3. अन्यथा - नहीं तो
4. सराहना - प्रशंसा
5. सुझाव - सलाह
6. बवंडर - आँधी - तूफ़ान
7. तरकीब - उपाय

II प्रश्नोत्तर :-

प्र० क) कंचनपुर के राजा का क्या शौक था ?

उ० कंचनपुर के राजा राजसेन को शिकार खेलने का शौक था।

प्र० ख) मंत्री की किस बात से राजा गुस्सा हो गए ?

उ० जब मंत्री ने राजा से कहा - "महाराज, एक रात के लिए पेड़ों को क्यों हानि पहुँचाएँ। हम पेड़ पर मचान बनाकर रात गुजार लेंगे।" मंत्री की यह बात सुनकर राजा गुस्सा हो गए।

प्र० ग) ऋषि ने राजा से क्या वचन माँगा ?

उ० ऋषि ने राजा से वचन माँगा कि यह साफ़ हवा और पानी तुम्हें लौटाना होगा, अन्यथा जीवनभर इस आश्रम की साफ़ - सफ़ाई करनी होगी।

प्र० घ) पेड़ पर तलवार चलाते ही क्या हुआ ?

उ० पेड़ पर तलवार चलाते ही अचानक पेड़ से धूल का बवंडर उठा, आग का धुआँ भी निकलने लगा और आस-पास की हवा बंद हो गई।

BOOK WORK

III. निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए :—

क) (ii) ✓
ख) (iii) ✓
ग) (i) ✓

(IV) सही (✓) या गलत (✗) का निशान लगाएँ :—

क) ✗
ख) ✓
ग) ✗
घ) ✗
ङ) ✓

PAGE NO. :
DATE : / /

COPY WORK

पाठ - 9
सच्चा पारखी

कठिन शब्द

1. आखेट
2. दूरंदेशी
3. मंद-मंद
4. जिज्ञासा
5. बंजर
6. सेवक
7. कुटिया
8. मूल्यवान
9. भेद
10. जटिल

पाठ - 10
साँच को आँच नहीं

कठिन शब्द

1. करारी
2. फुसफुसाहट
3. अंदाज़ा
4. असहनीय
5. सत्य
6. दृढ़ता
7. अटल
8. प्रचार

पाठ - 13
पोंगल

कठिन शब्द

1. हलचल
2. भोर
3. मंद-मंद
6. अर्पण
7. प्रतियोगिता
8. उमंग

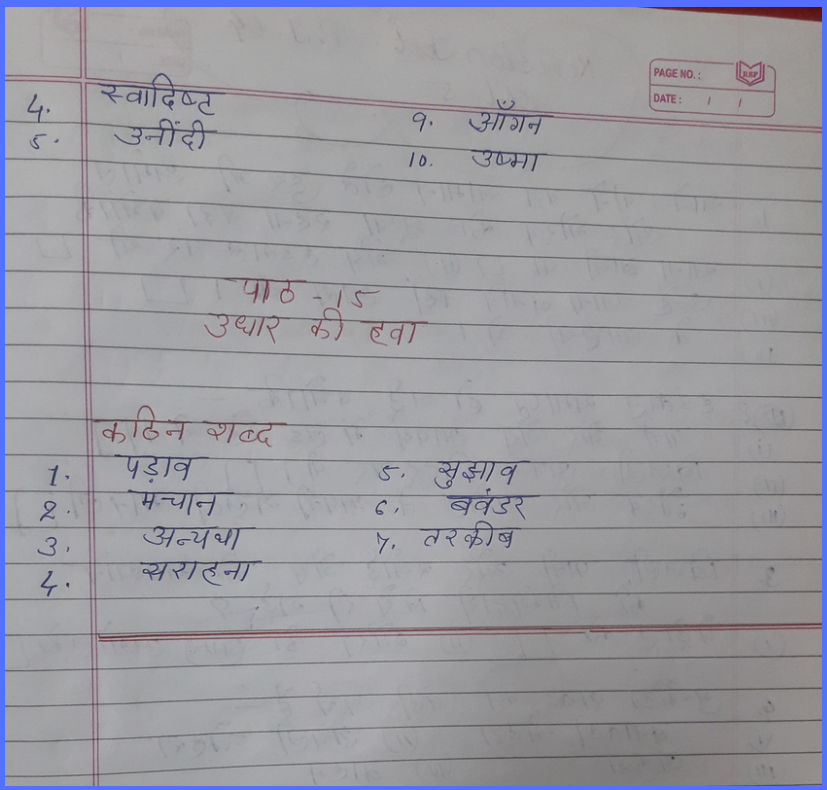
4. स्वादिष्ट
5. उनींदी
9. आँगन
10. उष्मा

पाठ - 15
उधार की हवा

कठिन शब्द
1. पड़ाव
2. मचान
3. अन्यथा
4. सराहना
5. सुझाव
6. बवंडर
7. तरकीब

हिंदी आधार सुलेख
- भारत के प्रमुख
पक्षी तक पूरा करें

पृष्ठ संख्या - 125

2. गद्यांश को पढ़िए और प्रश्नों के उचित विकल्प चुनिए–

एक लड़का सुबह-सुबह दौड़ने जाता था। आते-जाते वह हर रविवार को एक बूढ़ी महिला को देखता था। वह बूढ़ी महिला तालाब के किनारे छोटे-छोटे कछुओं की पीठ साफ़ किया करती थी। एक दिन लड़का बूढ़ी महिला के पास गया और उन्हें प्रणाम कर बोला, "मैं आपको हमेशा इन कछुओं की पीठ साफ़ करते हुए देखता हूँ। आप ऐसा किस वजह से करती हैं?" महिला ने उस लड़के को देखा और जवाब दिया, "मैं हर रविवार को यहाँ आती हूँ और इन छोटे-छोटे कछुओं की पीठ साफ़ करते हुए सुख-शांति का अनुभव करती हूँ, क्योंकि इनकी पीठ पर जो कवच होता है, उस पर मैल जमा हो जाने की वजह से इनकी गरमी पैदा करने की क्षमता कम हो जाती है। इसलिए, कछुए तैरने में मुश्किल का सामना करते हैं। कुछ समय तक अगर ऐसा ही रहे तो ये कवच भी कमज़ोर हो जाते हैं इसलिए कवच को साफ़ करती हूँ।"

(क) बूढ़ी महिला किनकी पीठ साफ़ करती थी?

(*i*) खरगोशों की ☐ (*ii*) पक्षियों की ☐

(*iii*) गायों की ☐ (*iv*) कछुओं की ☑

(ख) कछुओं की पीठ साफ़ करने से बूढ़ी महिला को क्या अनुभव होता था?

(*i*) सुख-शांति ☑ (*ii*) प्रेम ☐

(*iii*) गर्व ☐ (*iv*) ये सभी ☐

(ग) कवच पर मैल जमने से कछुओं को क्या परेशानी होती है?

(*i*) भोजन करने में ☐ (*ii*) ज़मीन पर चलने में ☐

(*iii*) तैरने में ☑ (*iv*) साँस लेने में ☐

(घ) कछुओं की पीठ के कवच कब कमज़ोर हो जाते हैं?

(*i*) उम्र बढ़ने पर ☐ (*ii*) धूप में रहने पर ☐

(*iii*) साफ़ न करने पर ☑ (*iv*) ये सभी ☐

THANK
YOU